ToB बालमंच

मासिक फरवरी- 2025 नन्हीं कलम से .....

कला विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

पछुआ हवा में होठ फटते हैं, क्यों ?

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 36

सम्पादक :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका की कलम से

प्यारे बच्चों,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का कला विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

बच्चों कला का महत्त्व समाज और मानव जीवन में अत्यधिक है। कला न केवल एक व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का रूप है, बल्कि यह समाज की सांस्कृतिक धरोहर, इतिहास और विचारों को भी प्रस्तुत करती है। कला से हम अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त कर सकते हैं। इसके माध्यम से समाज में सौंदर्यबोध, संवेदनशीलता और रचनात्मकता का विकास होता है।

कला शिक्षा, मनोरंजन, और मानसिक शांति के रूप में भी कार्य करती है। यह मानवता की विविधता को समझने और एक दूसरे के दृष्टिकोण को सम्मान देने में मदद करती है। कला के विभिन्न रूप जैसे चित्रकला, संगीत, नृत्य, थिएटर, साहित्य आदि ने हमेशा ही समाज की सोच को प्रेरित किया है और उसे दिशा देने का काम किया है।

इस प्रकार, कला केवल एक मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मानव जीवन की आत्मा और सामाजिक संरचना का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विशेषांक में आप भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता नई ऊर्जा के साथ अवश्य सुनिश्चित करें। मुझे उम्मीद है की आप हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे । हमारे देश के नौनिहालों और बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ.....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका-ToB बालमंच

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

खुश रहो....

कला केवल रंगों, रेखाओं या आकारों तक सीमित नहीं होती, यह विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। बच्चों की कल्पनाएँ असीम होती हैं, और उनकी सृजनात्मकता को संवारने के लिए सही मार्गदर्शन एवं मंच की आवश्यकता होती है। ToB बालमंच सदैव बच्चों की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत रहा है, और इसी कड़ी में प्रस्तुत है हमारा विशेषांक – 'कला विशेषांक'।

यह विशेषांक उन नन्हे कलाकारों की सृजनात्मकता को समर्पित है, जिनकी कल्पनाओं में अनगिनत रंग समाए हैं। जब कोई बच्चा कागज पर रंगों की छटा बिखेरता है, कोई कविता या कहानी रचता है, या कोई नया हस्तशिल्प तैयार करता है, तो वह अपने मन की उड़ान को मूर्त रूप देता है। इस अंक में बच्चों की वही रचनात्मक ऊर्जा देखने को मिलेगी, जो उनकी सोच को परिपक्व बनाती है और उन्हें आत्मविश्वास से भरती है।

कला न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में भी सहायक होती है। यह उन्हें संवेदनशील बनाती है, उनकी कल्पनाशीलता को उभारती है और सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करती है। यही कारण है कि हमें इस विशेषांक को प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

हम अपने सभी नन्हे रचनाकारों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। साथ ही, अभिभावकों और शिक्षकों को भी धन्यवाद देते हैं, जो बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आशा है, यह 'कला विशेषांक' आपको प्रेरित करेगा और बच्चों की सृजनात्मकता को एक नया आयाम देगा। आइए, इस रंगों और शब्दों के संसार में डुबकी लगाएँ और नन्हे कलाकारों की कल्पनाओं के रंगों में रंग जाएँ।

तुम्हारा ही,

त्रिपुरारि राय
संपादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
संपादक-सह- ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. केशव कुमार, बु.वि. बखरी, मुरौल, मुजफ्फरपुर
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

प्रेरक प्रसंग

"मिट्टी का कलाकार"

गाँव का एक गरीब लड़का, मनोज, बचपन से ही मिट्टी के खिलौने बनाने में माहिर था। उसके हाथों से बनी गुड़ियाँ, हाथी, घोड़े और दीपक देखने में बेहद सुंदर लगते थे। लेकिन उसके पिता कहते थे, "मिट्टी के खिलौने बनाने से पेट नहीं भरता, पढ़-लिखकर कोई नौकरी कर लो।" लेकिन मनोज को अपनी कला पर विश्वास था। उसने ठान लिया कि वह अपनी प्रतिभा को निखारेगा। वह स्कूल के बाद खेतों में मिट्टी जुटाता, घंटों तक मूर्तियाँ बनाता और गाँव की छोटी मंडी में बेचने जाता। एक दिन एक शहर के कलाकार ने उसकी मूर्तियाँ देखीं और उसे एक कला विद्यालय में दाखिला दिलवाने में मदद की। वहाँ जाकर मनोज ने अपनी कला को और निखारा और धीरे-धीरे उसकी बनाई मूर्तियाँ मशहूर होने लगीं।

कुछ वर्षों बाद, उसी गाँव में एक बड़ी कला प्रदर्शनी लगी, जिसमें मनोज का काम प्रदर्शित किया गया। उसके पिता जब उसकी कला को सराह रहे थे, तो मनोज ने मुस्कुराते हुए कहा, "पिता जी, कला सिर्फ पेट ही नहीं, पहचान भी देती है।"

यह कहानी हमें सिखाती है कि सच्ची लगन और विश्वास से कोई भी कला सफलता का माध्यम बन सकती है।

वंदना झा,
शिक्षिका, म.वि.बलही तेघड़ा,

शुभकामना सन्देश

प्रिय ToB बालमंच परिवार,

आपकी ई-पत्रिका के 'कला विशेषांक' के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ! यह प्रयास निस्संदेह बच्चों की सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति और कला के प्रति रुचि को बढ़ावा देगा। कला न केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम भी है।

आपका यह विशेषांक नन्हें कलाकारों को अपनी प्रतिभा को निखारने और साझा करने का अनमोल अवसर प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि यह अंक बच्चों की रचनात्मक उड़ान को नई ऊँचाइयाँ देगा और उन्हें प्रेरित करेगा।

आपके इस सराहनीय प्रयास के लिए ढेरों शुभकामनाएँ!

स्नेह एवं मंगलकामनाओं सहित,

कैलाश राय,
सेवानिवृत प्रधानाध्यापक,
मध्य विद्यालय महिसरहो, महिषी (सहरसा)

ToB School Activity Link.....

1. https://www.facebook.com/100029079065287/videos/2157543854706750/
2. https://www.facebook.com/100007950133253/videos/1320627245754921/
3. https://fb.watch/xWPEPXmpoT/
4. https://fb.watch/xWPLNlf_Xw/
5. https://fb.watch/xWPSzD3SFO/
6. https://fb.watch/xWPWPuJzSU/
7. https://www.facebook.com/100011032744861/videos/1028692065814676/
8. https://www.facebook.com/100007938606677/videos/655647806819306/

कविता: मेरा स्कूल

==========

मेरा स्कूल-मेरा स्कूल,
कितना सुंदर जैसे फूल,
मेरा स्कूल-मेरा स्कूल,
कैसे जाऊं मैं इसको भूल।

मेरा स्कूल सा न कोई दूजा,
सरस्वती मां की होती पूजा,
गुरु हमारे पाठ पढ़ाते,
नई-नई बातें सिखलाते।

ज्ञान की खजाना है स्कूल,
मैं कैसे जाऊं इसको भूल,
मेरा स्कूल-मेरा स्कूल,
कितना सुंदर जैसे फूल।

खेल-कूद मुझको सिखलाते,
अनुशासन में रहना बदलाते,
खूब पढ़ूंगा खूब लिखूंगा,
देश का ऊंचा नाम करूंगा।

दिल में बसता मेरा स्कूल,
मैं कैसे जाऊं इसको भूल,
मेरा स्कूल-मेरा स्कूल,
कितना सुंदर जैसे फूल।

अभिषेक कुमार,
वर्ग-7, रोल नंबर- 12
उ.म.वि.फेंसाहा, सलखुआ (सहरसा)

महाशिवरात्रि पर विशेष पेंटिंग....

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें | उत्कृष्ट कहानी को अगले अंक में छपा जाएगा |कहानी के साथ अपना नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम अवश्य लिखें | |

बूझो तो जानें..

ऐसी कौन सी चीज है,
जिनके पंख नहीं हैं,
फिर भी वह हवा में उड़ती है,
और हाथ नहीं फिर भी लड़ती है?

उत्तर- पतंग

हंसो रे बाबू

क्या आप जानते हैं ?

चंद्रमा पर एक व्यक्ति का वज़न, पृथ्वी की तुलना में छह गुना कम होता है.

कुछ धातुएं ऐसी होती हैं जो पानी में घुल सकती हैं.

एक न्यूट्रॉन तारे का एक चम्मच वज़न करीब 6 अरब टन का हो सकता है.

शुतुरमुर्ग का मस्तिष्क, उसकी आंखों से भी छोटा होता है.
प्रकृति से जुड़े तथ्य

प्रशांत महासागर में स्थित मारियाना ट्रेंच, पृथ्वी पर की सबसे गहरी जगह है.

नील नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदी है.

बैकाल झील, दुनिया की सबसे गहरी मीठे पानी की झील है.

अफ़्रीका में बबूल के पेड़, एक-दूसरे से संवाद करते हैं.

अंग्रेजी सीखें: ANTONYMES

at	in	on	by	for
home	the morning	Mondays...	car	a walk
work	the evening	the weekend (American)	train	a change
school	the afternoon	Monday morning...	ship	an hour...
the airport	1978...	Wednesday evening...	plane	two days...
university	March...	on my birthday	sea	three weeks ...
5 o'clock...	the (spring)	on holiday / vacation	air	two months ...
night	the (summer)	time	land	five years...
noon	the (autumn)	Christmas Day	underground	breakfast
midnight	the (winter)	New Year's Day	by (him / her ...)	lunch
midday	the 1980s...	May 11th...	tomorrow	dinner
the weekend (British)	a minute/second ...	the bus	next week	
the station	an hour/two hours ...	the plane	next month	
the bottom	two days...	the ship		

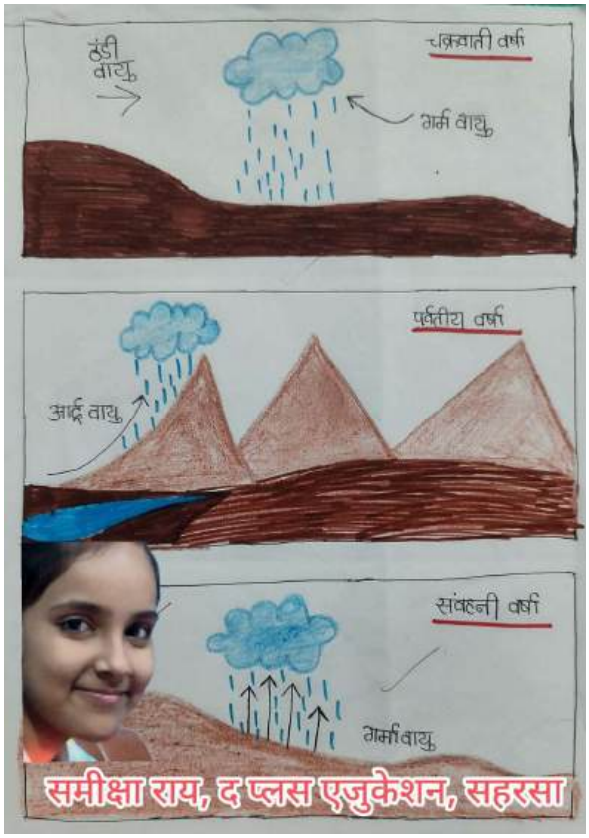

अमित कुमार, वर्ग-4, प्रा. वि महेशपट्टी, नरपतगंज, जिला- अररिया

फोटो ऑफ़ द मंथ.....

डिम्पल कुमारी, वर्ग-7, म.वि.चाँद

प्रमुख दिवसें

फ़रवरी के महत्वपूर्ण दिवस

12 फ़रवरी - अब्राहम लिंकन का जन्मदिन और राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस

13 फ़रवरी - विश्व रेडियो दिवस और सरोजिनी नायडू जयंती

15 फ़रवरी - अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस

22 फ़रवरी - वर्ल्ड थिंकिंग डे

23 फ़रवरी - वर्ल्ड पीस एंड अंडरस्टैंडिंग डे

24 फ़रवरी - केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस

25 फ़रवरी - महाशिवरात्रि

27 फ़रवरी - वर्ल्ड एनजीओ डे

28 फ़रवरी - राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और रेयर डिजीज डे

हिंदी ज्ञान: शब्द

पिछले अंक का शेष .....

2. उत्पत्ति के आधार पर
तत्सम – संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन के लिए गए शब्द (जैसे – अग्नि, सूर्य, जल)
तद्भव – संस्कृत से परिवर्तित होकर हिंदी में आए शब्द (जैसे – अग्नि → आग, जल → पानी)
देशज – किसी विशेष क्षेत्र में प्रचलित शब्द (जैसे – ककड़ी, ढाबा)
विदेशज – अन्य भाषाओं से लिए गए शब्द (जैसे – स्कूल, डॉक्टर, पुलिस)

3. रचना के आधार पर
रूढ़ शब्द – जिनका स्वतंत्र रूप से प्रयोग होता है (जैसे – घर, पेड़)
योगिक शब्द – दो या अधिक शब्दों के मेल से बने शब्द (जैसे – रेलगाड़ी, सूर्यकांत)
योगरूढ़ शब्द – दो शब्दों से मिलकर विशेष अर्थ देने वाले शब्द (जैसे – राजकुमार, गुरुजी)

4. व्याकरणिक प्रयोग के आधार पर
संग्या – किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव का नाम (जैसे – राम, दिल्ली, प्रेम)
सर्वनाम – संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त शब्द (जैसे – मैं, तुम, वह)
क्रिया – कार्य या अवस्था को व्यक्त करने वाले शब्द (जैसे – खाना, सोना)
विशेषण – संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द (जैसे – लाल, बड़ा)
क्रिया विशेषण – क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द (जैसे – धीरे, जल्दी)

क्रमशः.....

चेतना सत्र प्रा०
वि० कौवाली टोला मुसहरी
प्रखंड-सिकटी , जिला-अररिया

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

पछुआ हवा में होठ फटते हैं, क्यों ?

पछुआ हवा (पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली हवा) आमतौर पर शुष्क और ठंडी होती है, जिससे वातावरण में नमी की मात्रा कम हो जाती है। इसके कारण त्वचा और विशेष रूप से होंठों की नमी तेजी से खो जाती है। होंठों की त्वचा बहुत पतली और संवेदनशील होती है, इसलिए शुष्क हवा, ठंड और नमी की कमी के कारण वे जल्दी फटने लगते हैं।

-: प्रस्तुतकर्ता :-
त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

आओ योग सीखें.....

चक्रासन

चक्रासन एक योगासन है, जिसे चक्र मुद्रा भी कहते हैं. यह पीछे की ओर झुकने वाला आसन है. इस आसन को करने से शरीर की चक्र जैसी आकृति बनती है. चक्रासन से शरीर और मन दोनों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

विधि - सबसे पहले आसन पर पीठ के बल लेट जाएं। दोनों घुटने मोड़ कर तलवों को जमीन पर रखें। दोनों हाथों को सिर के पीछे से कान के पास रखें, सांस लेते हुए कमर को ऊपर उठाकर और गर्दन को नीचे लटकते हुए दोनों हाथों को धीरे-धीरे तलवे के पास लायेंगे। इस मुद्रा में कुछ देर रुकेंगे फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

लाभ- शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करता है, रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है। तनाव एवं चिंता को कम करता है, आंखों की रोशनी को बढ़ाता है तथा कब्ज एवं पाचन संबंधी समस्याओं से राहत देता है।

****

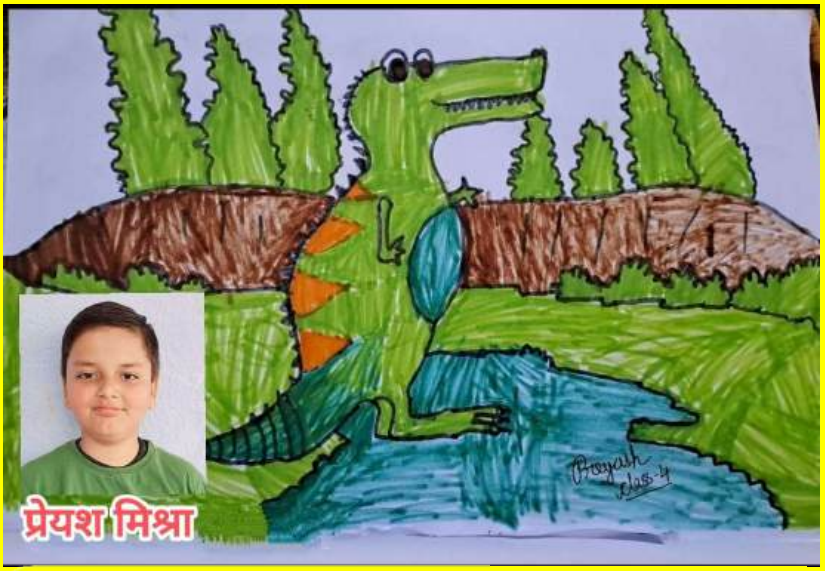

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हमारे बच्चे..
म. वि. अरिहाना, आजमनगर (कटिहार)

class – 7th

ज्योति कुमारी,

Pretty Girl

Best friends
Name – Ani Kumari
class – 7th
Roll no – 1

जल है
तो कल है...

फारबिसगंज कॉलेज फारबिसगंज में बी.एड. सेक्शन में पतंग का निर्माण कर एक दुसरे को बधाई देते छात्रगण

सौरभ कुमार, वर्ग-8, म.वि.जगदीशपुर, भागलपुर

रीना कुमारी, प्रा.वि.महेशपट्टी, नरपतगंज, जिला- अररिया

कल्पना कुमारी, वर्ग-9, उ.मा.वि.दीघरा, पूसा, समस्तीपुर

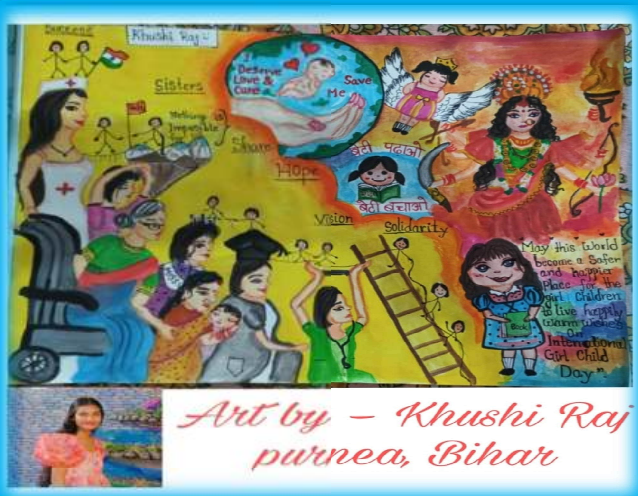

Art by – Khushi Raj
purnea, Bihar

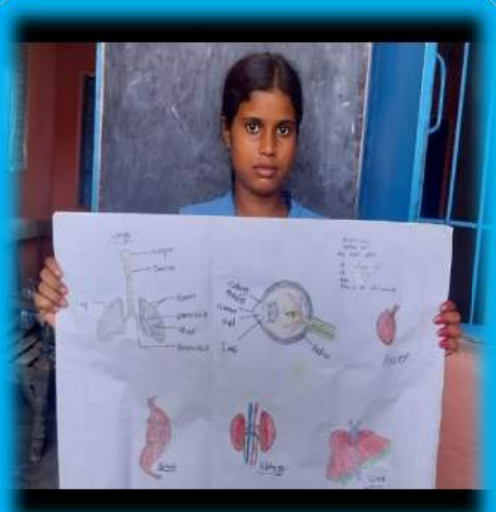

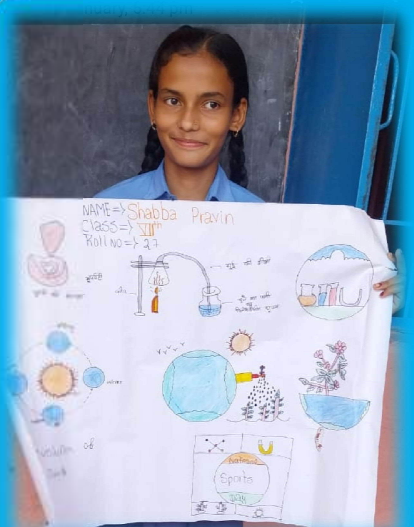

बालमन

मुझे ToB बालमंच पढ़ना अच्छा लगता है।
मुझे चित्र देखना और बनाना पसंद है।
हर महीने इसका इंतजार रहता है।

लक्ष्मण कुमार.
कक्षा-1

SWACHH ABHIYA
N BHARAT
CLEAN INDIA
GREEN INDIA

HAPPY
NAVRATRI

HAPPY
NAVRATRI

DIWALI

अख़बार के नजरों में हम.........

टीचर्स ऑफ बिहार " बालमंच पत्रिका " बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों,रचनाओं एवं गतिविधियों के लिए उपयोगी साधन

बालमंच पत्रिका के माध्यम से बाल कलाकारों के कृतियों को मिल रही पहचान

पटना..... सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा और रचनात्मकता को केवल विद्यालयों तक सीमित न रखते हुए, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा बालमंच पत्रिका की शुरूआत की गई थी। यह पत्रिका बच्चों के मन में कला, सृजनात्मकता, रचनाओं एवं गतिविधियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उनके विचारों और रचनात्मक क्षमताओं को मंच प्रदान करने तथा उन्हें सम्मानित कर प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। बालमंच पत्रिका उन बच्चों के लिए एक विशेष मंच है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ शहरी क्षेत्रों में रहते हैं और अपनी कला व प्रतिभा को प्रदर्शित करने के अवसरों की तलाश में होते हैं। यह मासिक पत्रिका राज्य, जिला, प्रखंड, संकुल और विद्यालय स्तर पर बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक, रोचक और प्रेरणादायक सामग्री प्रदान करती है। बालमंच पत्रिका की प्रधान संपादिका रूबी

कुमारी, शिक्षिका,उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी, बौंसी,बांका एवं संपादक-सह-ग्राफिक डिजाइनर त्रिपुरारी राय,शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी,महिषी, सहरसा ने बताया कि यह पत्रिका न केवल बच्चों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी है, बल्कि शिक्षकों और समाज के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत बन रही है। यह मंच बच्चों की सोच, सपनों और उनकी अभिव्यक्ति को आकार देने के लिए लगातार प्रयासरत रहता है। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने बताया कि यह मंच न केवल बच्चों की रचनाओं बल्कि उनकी प्रतिभा को भी प्रदर्शित करती है साथ ही उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। शिव कुमार ने कहा कि हर बच्चे में अनगिनत संभावनाएँ छिपी होती हैं। आज के ये नन्हे कलाकार, वैज्ञानिक और विचारक, आने वाले कल के पिकासो, आइंस्टीन और महान हस्तियाँ बन सकते हैं। जरूरत है बस उनकी प्रतिभा को पहचानने, प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को उड़ान देने की। टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने बताया कि बालमंच पत्रिका की प्रधान संपादिका रूबी कुमारी,संपादक त्रिपुरारी राय एवं उनकी टीम के मेहनत, समर्पण और दूरदृष्टि ने इस पत्रिका को पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया कि हर बच्चे को अपनी रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को व्यक्त करने का मंच मिले। उनकी सतत प्रयासों और मार्गदर्शन के कारण, यह पत्रिका अब एक व्यापक और प्रतिष्ठित प्रकाशन के रूप में उभर चुकी है।

टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता अररिया जिले के शिक्षक रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक पूर्वी चंपारण जिले के शिक्षक मृत्युंजय ठाकुर ने बताया कि बालमंच पत्रिका को निरंतर बच्चों और शिक्षकों का प्यार, सहयोग और आशीर्वाद मिल रहा है। यह पत्रिका आगे भी बाल सृजनशीलता,उनकी रचनाओं को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

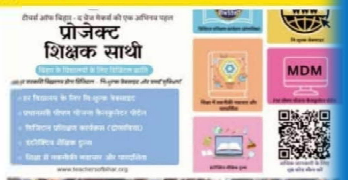

एजुकेशनल न्यूज | शिक्षा ही सर्वोपरि | पटना, शनिवार 22.02.2025 | 03

टीचर्स ऑफ बिहार ने लॉन्च किया ' प्रोजेक्ट शिक्षक साथी '

"प्रोजेक्ट शिक्षक साथी" राज्य के सरकारी विद्यालयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की अनूठी पहल:- शिव कुमार, फाउंडर, टीचर्स ऑफ बिहार

पटना । एजुकेशनल न्यूज

बांका जिले के 35 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यालय का वेबसाइट हुआ लॉन्च

अमित कुमार/ ब्यूरो भागलपुर

हिंदुस्तान की गूंजन्बांका जिले के 35 वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रोन्नत मध्य विद्यालय खड़िहारा उर्दू बालक, प्रखंड बाराहाट, जिला बांका की वेबसाइट लॉन्च की गई। इस कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार (भा.प्र.से.), खेल मंत्री, बिहार सरकार सुरेन्द्र मेहता और स्थानीय विधायक राम नारायण मंडल ने विद्यालय की वेबसाइट का लोकार्पण किया इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक उमाकांत कुमार भी उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार, (भा.प्र.से.) ने कहा कि यह डिजिटल पहल शिक्षा को सुलभ और पारदर्शी बनाने में मील का पत्थर साबित होगी इस अभिनव परियोजना की संकल्पना टीचर्स ऑफ बिहार के टेक्निकल टीम लीडर इंजीनियर शिवेंद्र

प्रकाश सुमन द्वारा की गई है। उन्होंने न केवल इस परियोजना के अंतर्गत सभी पोर्टल्स का निर्माण किया है, बल्कि शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।हर विद्यालय के लिए निशुल्क वेबसाइटप्रोजेक्ट शिक्षक साथी के तहत प्रत्येक सरकारी विद्यालय के लिए एक निशुल्क वेबसाइट बनाई जाएगी, जो विद्यालय की सूचनाओं, पाठ्यक्रम, गतिविधियों और शैक्षणिक संसाधनों को ऑनलाइन प्रदर्शित करेगी। इससे विद्यालयों में डिजिटल पारदर्शिता बढ़ेगी और अभिभावकों व छात्रों के लिए सूचनाएँ सुलभ होंगी।

प्रधानमंत्री पोषण योजना कैलकुलेटर पोर्टल:परियोजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री पोषण योजना कैलकुलेटर पोर्टल भी विकसित किया गया है, जो विद्यालयों को इस योजना से जुड़े आँकड़ों का सटीक प्रबंधन करने में मदद करेगा। इस कार्य में शिक्षक रिजवान रिजवी और उनके आईआईटियन पुत्र अमीर हम्जा भी सहयोग कर रहे हैं।

शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण (द्रोणविद्या):शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा में दक्ष बनाने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन के नेतृत्व में शिक्षकों को वेबिनार, वर्चुअल क्लासरूम और अन्य डिजिटल टूल्स के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के संस्थापक शिव कुमार ने बताया कि यदि कोई विद्यालय अपनी वेबसाइट बनवाना चाहता है या किसी डिजिटल आवश्यकता को पूरा करना चाहता है, तो हर जिले में सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की एक तकनीकी टीम इस कार्य में सहयोग करेगी।इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से देते हुए उन्होंने बताया कि यह पहल बिहार के शिक्षा तंत्र में डिजिटल क्रांति लाने और शिक्षकों व छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

टीचर्स ऑफ बिहार ने लॉन्च किया 'प्रोजेक्ट शिक्षक साथी'

पटना, सोनभद्र संवाददाता

प्रोजेक्ट शिक्षक साथीः राज्य के सरकारी विद्यालयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की अनूठी पहलः- शिव कुमार, फाउंडर, टीचर्स ऑफ बिहार

बिहार में शिक्षा के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार के सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने 'प्रोजेक्ट शिक्षक साथी' की शुरूआत की है। इस परियोजना के तहत राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की योजना बनाई गई है, जिससे शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता, पारदर्शिता और संवाद में सुधार हो सके।

बांका जिले के 35 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यालय का वेबसाइट हुआ लॉन्च: बांका जिले के 35 वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रोन्नत मध्य विद्यालय खड़िहारा उर्दू बालक, प्रखंड बाराहाट, जिला बांका की वेबसाइट लॉन्च की गई। इस कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार (भा.प्र.से.), खेल मंत्री, बिहार सरकार सुरेन्द्र मेहता और स्थानीय विधायक राम नारायण मंडल ने विद्यालय की वेबसाइट का लोकार्पण किया।इस अवसर पर विद्यालय के

प्रधानाध्यापक उमाकांत कुमार भी उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार, (भा.प्र.से.) ने कहा कि यह डिजिटल पहल शिक्षा को सुलभ और पारदर्शी बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।इस अभिनव परियोजना की संकल्पना टीचर्स ऑफ बिहार के टेक्निकल टीम लीडर इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन द्वारा की गई है। उन्होंने न केवल इस परियोजना के अंतर्गत सभी पोर्टल का निर्माण किया है, बल्कि शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

हर विद्यालय के लिए निःशुल्क वेबसाइट : 'प्रोजेक्ट शिक्षक साथी' के तहत प्रत्येक सरकारी विद्यालय के लिए एक निशुल्क वेबसाइट बनाई जाएगी, जो विद्यालय की सूचनाओं, पाठ्यक्रम, गतिविधियों और शैक्षणिक संसाधनों को ऑनलाइन प्रदर्शित करेगी। इससे विद्यालयों में डिजिटल पारदर्शिता बढ़ेगी और अभिभावकों व छात्रों के लिए सूचनाएँ सुलभ होंगी।

प्रधानमंत्री पोषण योजना कैलकुलेटर पोर्टल : परियोजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री पोषण योजना कैलकुलेटर पोर्टल भी विकसित किया गया है, जो विद्यालयों को इस योजना से जुड़े आँकड़ों का सटीक प्रबंधन करने में मदद करेगा। इस कार्य में शिक्षक रिजवान रिजवी और उनके आईआईटियन पुत्र अमीर हम्जा भी सहयोग कर रहे हैं।

शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण (द्रोणविद्या) : शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा में दक्ष बनाने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इंजीनियर शिवेंद्र प्रकाश सुमन के नेतृत्व में शिक्षकों को वेबिनार, वर्चुअल क्लासरूम और अन्य डिजिटल टूल्स के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के संस्थापक शिव कुमार ने बताया कि यदि कोई विद्यालय अपनी वेबसाइट बनवाना चाहता है या किसी डिजिटल आवश्यकता को पूरा करना चाहता है, तो हर जिले में सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की एक तकनीकी टीम इस कार्य में सहयोग करेगी।इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह और प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि यह पहल बिहार के शिक्षा तंत्र में डिजिटल क्रांति लाने और शिक्षकों व छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सुरक्षित शनिवार के तहत कुपोषण से होने वाली परेशानियाँ एवं उसके संदर्भ में जानकारी: म.वि.बखरी खरकट्टा, समेली (कटिहार)

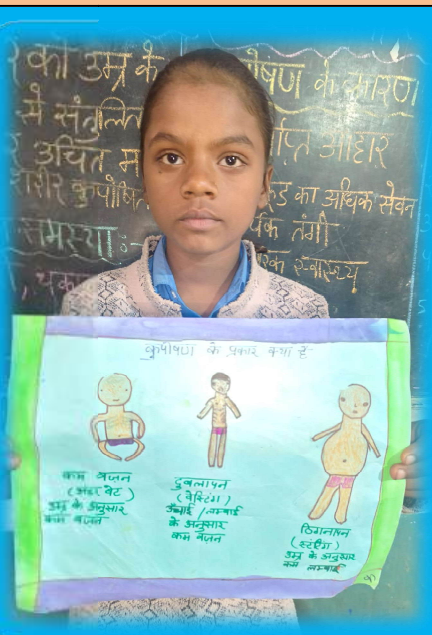

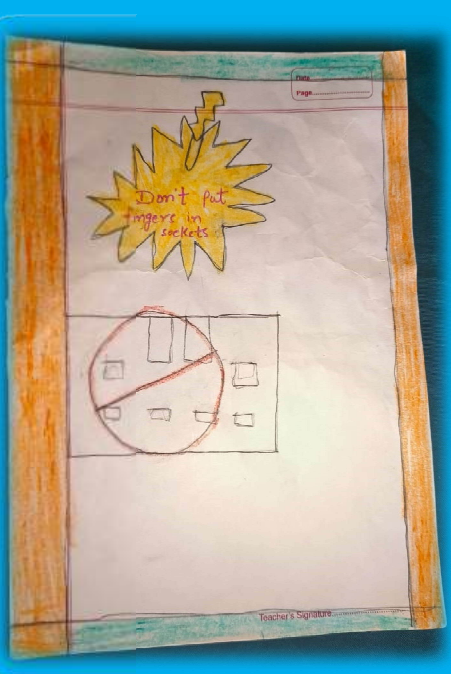

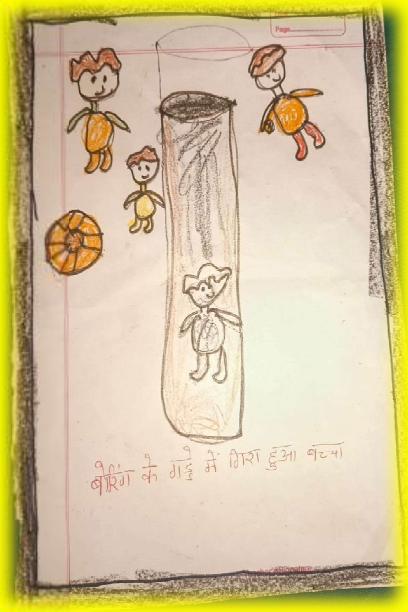

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email-
balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp: 8877318781
(Tripurari Roy)

धन्यवाद

फरवरी 2025
प्रमाण पत्र संख्या
ToB/Bal/2025/23
ToB उभरते सितारे
प्रशस्ति पत्र
बालमंच
शुभम कुमार
म0 वि0 सलथुआ,कुदरा, कैमूर
को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- ननहीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैगजीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं 'हस्तकला' के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।
भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।
www.teachersofbihar.org

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://teachersofbihar.org/award

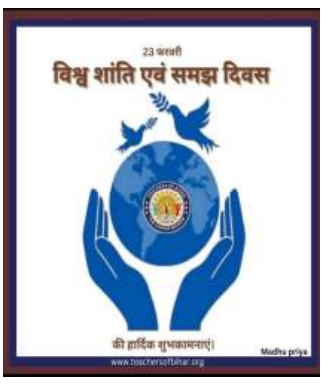

THANKS FOR A VIEW